

পাঠ
পাঠ

8

मेरा भारत महान

আমার মহান ভারতবর্ষ

মিচেচ জেনা : রাজু, রুমা, গৰমৰ বন্ধটো
তোমালোকে কেনেকৈ কৈলা?
কিবা নতুন কিতাপ-পাতি
পঢ়িলা নে?

রাজু : আমি ১৫ দিন ভারত ভ্রমণ
কৰিলোঁ। যোৱা দেওঁবাৰে
উভতিলোঁ

মিচেচ জেনা: ভারত ভ্রমণত কি কি
দেখিলা? ক'ত ক'ত
থাকিলা?

রাজু : আমি কলিকতা, কোণার্ক,
পুৰী আৰু মহীশূৰ চালোঁ।
জানা বাম্পদেউ, কলিকতা
মহানগৰীত বৰ ভিৰ। তাত
পৰুৱাৰ লানি যেন মানুহৰ
শাৰী। মানুহবোৰ কেৱল
দৌৰেহে। কোণার্ক উৰিষ্যাৰ
চন্দ্ৰভাগাৰ তীৰত অৱস্থিত।
সীমাহীন বালুকা-ৰাশিৰ

श्रीमती जेना : राजू, रुमा गर्मी की छुट्टी
तुमलोगों ने कैसे बिताई? क्या
तुमलोगों ने कोई नई पुस्तक-
पत्रिका पढ़ी?

राजू : हमने १५ दिन भारत भ्रमण
किया। पिछले रविवार को
लौटे हैं।

श्रीमती जेना : भारत भ्रमण में क्या क्या
देखा? कहाँ कहाँ रुके?

राजू : हमने कलकत्ता, कोणार्क, पुरी
और मैसूर देखा। जानती हो
दीदी, कलकत्ता बड़ा भीड़-भाड़
वाला शहर है। यहाँ चींटी की
तरह लोगों की कतारे दिखती
हैं। हर आदमी वहाँ केवल
दौड़ता ही दिखता है। कोणार्क
उड़ीसा में चन्द्रभागा के किनारे
स्थित है। असीम बालू के ढेरों
में झाँटूँ झाँटियों की तरह
दिखते हैं। सुई की तरह
नुकीली पत्तियाँ हवा में नाचती

माजत शाबी शाबी

झाँगछ। बेजि येन
जोडा जोडा पात। ताते
बताहब सौ सौरनि, माजे
माजे चराम्पब किबिलि, ताब
माजत युगब साक्षीस्वरूप
कोणार्क सूर्यमन्दिर।

मिचेच जेना: तौमालोके कोणार्कब फटौ
ल'लाने? बाति क'त
थाकिना? आमाब घर
कोणार्कब ओचरते।

तौमालोके आमाब तालै
न'गला किय?

रुमा : आमि नाजानौ नहय। आमि
पास निवासते थाकिलौ।

मिचेच जेना: पूबीत कि कबिला? तात चाँगे
बाति नाथाकिना?

रुमा : पूबीत सागरत गा धूलौ।
माछमबीयाबोबर काम काज
उपभोग करिलौ। ताब
पाछत जगन्नाथ मन्दिर चालौ।
तात अगणन भक्तब भिब।

रहती हैं। बीच बीच में चिड़ियों
की चहचहाहट। इन सबके
बीच स्थित है -- युगों का साक्षी
कोणार्क सूर्यमन्दिर।

श्रीमती जेना: तुमलोगों ने कोणार्क के फोटो
नहीं लिए क्या? रात कहाँ
रहे? हमारा घर कोणार्क के
पास ही है। तुमलोग हमारे
यहाँ क्यों नहीं गए?

रुमा : हमलोग जानते ही नहीं थे।
हम पंथ निवास में रुके थे।

श्रीमती जेना: पुरी में क्या किया? वहाँ शायद
रात नहीं रुके?

रुमा : पुरी में हमने सागर स्नान
किया। मछुआरों के कार्यकलाप
का आनन्द लिया। उसके बाद
जगन्नाथ मन्दिर देखा। वहाँ
अनगिनत भक्तों की भीड़ थी।
मुख्य मन्दिर बहुत ऊँचा है।
पास में अनेक छोटे बड़े मन्दिर
हैं। हमारी आखों के सामने ही
एक आदमी मन्दिर के शिखर
पर चढ़ गया। शिखर पर
पताका बांधी। पुरानी पताका

মূল মন্দিৰটো বেচ ওখ।
 কাষত অগণন সৰু চাপৰ
 মন্দিৰ। আমাৰ চকুৰ আগতে
 এজন মানুহ মন্দিৰৰ ওপৰত
 উঠিল। শিখৰত পতাকা
 বান্ধিলে। পুৰণি পতাকা তলত
 পেলাম্প দিলে। তাৰ পাছত
 সৰ সৰাম্প নামি আহিল।
 আমি তথা লাগিলোঁ।

মিচেচ জেনা: শেষত চাটৈ মহীশূৰ
 পালগৈ? তাত চাটৈ বেচ
 মজা কৰিলা।

ৰাজু : হয় বাম্পদেউ। মহীশূৰ বৰ
 শূৱনি ঠাম্প। আলিবৌৰ
 দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে কৃষ্ণচূড়া। কি
 কীয়া ৰঙা ফুলৰ ভৰত দোঁ
 থাম্প আছে। ঠায়ে ঠায়ে ওখ
 ওখ স্পউক্লিপেচ। বৃন্দাবন-
 গাৰ্ডেনত আকৌ বগা,
 হালধীয়া, নীলা আৰু
 গোলাপী ৰঙৰ নানা ফুলৰ
 বাহাৰ। ফুলে ফুলে ৰং চঙীয়া

কো নীচে ফেঁক দিয়া। উসকে
 বাদ সর সৰাকৰ নীচে
 উতৰ
 আয়া। হমলোগ দেখতে হী ৰহ
 গএ।

শ্রীমতী জেনা: অঁত মঁ শায়দ মৈসূৰ পহুঁচে
 হোগে? বহাঁ তো বড়া আনন্দ
 আয়া হোগা?

ৰাজু : হাঁ দীদী, মৈসূৰ বহুত সুন্দৰ হৈ।
 সড়কো কে কিনাৰে গুলমোহৰ কে
 পেড় হৈ। গাড়ে লাল ফুলোঁ কে
 ৰাৰ সে পেড় झुक गए हँ। स्थान
 स्थान पर लंबे लंबे युकलिपटस
 भी हँ। वृन्दावन-गार्डन में तो
 सफेद, पीले, नीले और
 गुलाबी हर रंग के फूलों की
 बाहार है। फूल-फूल पर रंग
 बिरंगी तितलियाँ उड़ती रहती
 हँ। पूरे बाग में पानी के फव्वारे
 हँ।

श्रीमती जेना: तब तो तुमलोगों ने छुट्टी का
 बहुत अच्छा प्रयोग कर लिया।
 अच्छा अब इस विषय में दोस्तों

পথিলা। গোটৈম্প বাগিছাত
 অজস্র পানীৰ ফোঁৱাৰা।
 মিচেচ জেনা: তোমালোকে তেনেহলে বন্ধটো
 বৰকৈ উপভোগ কৰিলা।
 বাকু, এম্প বিষয়ে বান্ধবীলৈ
 এখন চিঠি লিখা।

কো চিঠী লিখনা।

শব্দার্থ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দি অর্থ
গৰম	গৰ্মী
কেনেকৈ	কৈসে
নতুন	নয়া
কিতাপ-পাতি	পুস্তক আদি
দুসপ্তাহ	দো হপ্তে
দেওবাৰ	রবিবার
উভতিলোঁ	वापस आया हूँ, लौटा हूँ
থাকিলা	(तुम) रहे
চালোঁ	(मैंने) देखा
সবাতোকৈ	सबसे
পৰুৱা	चींटी
লানি	कतार
শাৰী	पंक्ति
দৌৰে	दौड़ते हैं

ভীৰত
বেজি
জোঙা
বতাহ
সোঁ সোৱনি
চৰাম্প
কিৰিলি
ল'লা
ওচৰতে
গা ধুলোঁ
মাছমৰীয়া
ওখ
ওপৰত
তলত
সৰসৰাম্প
তথা লাগিলোঁ
মজা
দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে
কি কীয়া
ভৰ
দোঁ থাম্প আছে
বগা
হালধীয়া
নীলা

কিনাৰে, তীৰ পৰ
সুই
নুকীলী
হবা
সাং-সাং, সর-সর
চিড়িয়া
চহক, চহচহানা
(তুম) লিয়া
পাস মেন্ হী
(মেন্) নহায়া
মচুআৰে
উঁচা
ৰুপৰ
নীচে
সর सराकर
दीखती रह गई
आनन्द
किनारे किनारे
गाढ़ा रंग का
भार
झुक जाते हैं
सफेद
पीले, हल्दिया रंग में
नीला
गुलाबी

गोलापी	रंगका
बङ्ग	तितलियाँ
पखिला	उड़ती फिरती हैं
उबि फुबिछे	पूरे
गोटैम्प	सहेली
बाक्कवी	चिट्ठी
चिट्ठी	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. गबमब बक्कत बाजुईते कि कि कबिले?
2. कोने कोने कलिकता, पूबी आदि चाले?
3. बाउ गछब पातबोब केनेकुरा?
4. सूर्य मन्दिर क'त अरस्थित?
5. ब्रमाईत बाति क'त थाकिल?
6. ब्रमाईते पूबीत कि चाले?
7. मानुहजने मन्दिरब शिखरत कि बाक्किले?
8. गछबोब किय दौं थाम्प पबिछे?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. दोकानब सम्मुखत मानुहब दीघल _____ ।
2. बाउ गछब पात बेज्जीब दबे _____ ।
3. सागबब पाबत _____ मानुहे माछ बेचिछे।
4. जगन्नाथ मन्दिर बब _____ ।

5. ৰাস্তাৰ _____ কৃষ্ণচূড়া।
6. ফলৰ ভৰত আমগছ _____ থাম্পছে।
7. ফুলে ফুলে _____ পখিলা।
8. তোমাৰ বন্ধুলৈ এখন _____ লিখা।

III. কোষ্টক মেন্ দিএ गए शब्दों मैन से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(নহয়, চাটগৈ, না, চোন, হে, বা)

1. আমি পুৰী নহয়, কোণাৰ্ক _____ চালো।
2. মম্প _____ কি কলো?
3. তোমালোকে _____ বৰ মজা কৰিলা।
4. তুমি এখন চিঠি লিখা _____।
5. আমি পুৰী দেখা নাম্প _____
6. গোৱা _____, গীত ঐ গোৱা।

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) बिनय, तम्प क'लै गलि?

→ बिनय, तूमि क'लै ग'ला?

1. तम्प क'त घर ललि?
2. तम्प काब पबा गीत शिकिलि?
3. तम्प किय मिठाम्प नानिलि?
4. आपुनि पुरीत क'त थाकिल?
5. आपुनि चाटगै बर मजा कबिले!

6. তম্প চাটৈ বহুত ফটো ললি!

(খ) আমি কলিকতা দেখিছোঁ।

—> আমি কলিকতা দেখিলোঁ।

1. মম্প ঐ গীত গাম্পছোঁ।
2. তেওঁ মিচেচ নাথৰ পৰা শিকিছে।
3. তেওঁলোক মহীশূৰলৈ গৈছে।
4. ফুলৰ ভৰত গছ দোঁ খাম্প পৰিছে।
5. তোমালোকে সাগৰত গা ধুস্পছানে?
6. তম্প চিঠি লিখিছনে?
7. আপুনি সূৰ্য মন্দিৰ চাম্পছনে?

V. উদাহরণ के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

(क) बहीबोर मम্প परीक्षा चालोँ

—> मम্প परीक्षा बहीबोर चालोँ।

1. মম্প শুনিলোঁ গীত এম্পটো বহুতবার
2. মম্প আহিলোঁ যোৱা দেওবাৰে দিল্লীৰ পৰা
3. নেদেখিলোঁ তেওঁক কতো মম্প
4. ফটো বৃন্দাবন তুমি গাৰ্ডেনৰ তুলিলানে

VI. नीचे दिए गए वाक्यों में विपरीत अर्थ देनेवाले शब्दों को रेखांकित कीजिए और इनका वाक्योंमें प्रयोग कीजिए:

তেওঁ কেতিয়াবা থিয়োৰ চায় ; কিন্তু কেতিয়াও চিনেমা নাচায়। তেওঁলোক এম্পবাৰ
অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ভাল পালে ; কিন্তু শিৱসাগৰ বেয়া পালে।

তেওঁলোক গুৱাহাটীলৈও গ'ল। কামাখ্যা আৰু উমানন্দ চালে। কামাখ্যা মন্দিৰ পাহাৰৰ ওপৰত ; কিন্তু দেবীৰ পীঠ মাৰি তলত। উমানন্দ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ মাজত ; কিন্তু শুল্কেশ্বৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ কাষত।

VII. বিস্তাৰ সে উত্তৰ দীজিএ :

1. কলিকাতাৰ বিষয়ে দুামান বাক্য লিখক।
2. উৰিষ্যাৰ চন্দ্ৰভাগা নদীৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে লিখক।
3. বৃন্দাবন গাৰ্ডেনৰ বিষয়ে কেম্পশাৰীমান লিখক।

पढ़िए और समझिए।

সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান

কালি কলাক্ষেত্ৰত সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান হ'ল। সেম্প অনুষ্ঠানত উমাম্প ভৰত ন্যাম নাচিলে। কালি অনুষ্ঠানৰ মাজত লাম্প গ'ল। তেতিয়া তাত হুলস্থুল লাগিল। পিছত পুলিচ আহিল। সকলো শান্ত হ'ল। অনুষ্ঠান আকৌ আৰম্ভ হ'ল। কালিৰ অনুষ্ঠানত উমাম্প প্ৰথম পুৰস্কাৰ পালে। কালি পুৰস্কাৰ ঘোষণাহে কৰিলে; কিন্তু নিদিলে। ৰাতি উমা দেউতাকৰ লগত উভতি আহিল।

আজি ৰাতিপুৱা উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ কাৰ্য্যালয়লৈ গ'ল। আবেলি গীতা আহিল। তাম্প কালিৰ অনুষ্ঠানলৈ নগ'ল। অনুষ্ঠানৰ কথা তাম্প পাহৰি গ'ল। গীতাম্প উমাক সুধিলে -- “তম্প সত্ৰীয়া নাচিলিনে ভাৰত ন্যাম?” তেতিয়া উমাম্প কলে -- “মম্প ভাৰত ন্যামহে নাচিলোঁ; সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।” তেনেতে উমাৰ মাক আহিল। তেওঁ গীতাক সুধিলে -- “গীতা, কেতিয়া আহিলা, চাহপানী খালা নহয়?” গীতাম্প তেতিয়া কলে, “চাহ পানী ক'ত খালোঁ, এম্পমাত্ৰ আহিছোঁহে।”

উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। মহিলা সমিতিয়ে এখন প্ৰদৰ্শনীৰ আয়োজন কৰিছে।
গীতাৰ মাকো মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। আহিবৰ সময়ত উমাৰ মাকে গীতাক সুধিলে -- “তোমাৰ
মাৰায়ে কিবা ক’ং বা চিলাম্প কৰিছে নেকি?” তেতিয়া গীতাম্প উত্তৰ দিলে -- “জানোঁ, মম্প
ভালকৈ নাজানোঁ।”

নয়ে শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
লাম্প	লাইট/বিজলী
হুলস্থুল	শোরগোল
শান্ত	শান্ত
ঘোষণাছে	ঘোষণা হী
ৰাতিপুৱা	সবেৰে
আবেলি	শামকো
এম্পমাত্র	অभी अभी
সদস্যা	সदस्या
আয়োজন	आयोजन
মাৰায়ে	(तुम्हारी) माँ भी
ভালকৈ	अच्छी तरह

অভ্যাস

I. এক বাক্য মেন্ উত্তৰ দীজিএ ।

1. উমা কলা ক্ষেত্ৰলৈ গ’লনে?
2. উমাম্প কি নাচ নাচিলে?
3. প্ৰথম পুৰস্কাৰ কোনে পালে?
4. উমাৰ মাক ক’লৈ গৈছিল?

5. মহিলা সমিতিয়ে কিহৰ আয়োজন কৰিছে?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেখ, চান, তো, হে, ও, নয়, দেখোন)

1. মম্প ভৰত নৌম _____ নাচিলোঁ, সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।
2. বাকু, ক _____ পুৰস্কাৰ কোনে পালে।
3. মম্প _____ আশাম্প কৰা নাছিলোঁ।
4. মম্প চাহ ক'ত খালোঁ, মম্প _____ এম্পমাত্ৰ আহিছোঁ।
5. তোমাৰ মাৰা মহিলা সমিতিলৈ গৈছিল, আমাৰ মা _____ তালৈ গৈছিল।
6. বাকু অলপ বহা _____, মম্প চাহ কৰি আনোঁ।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

তেওঁলোক এম্পবাৰ অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান চালে। কাজিৰঙা এশিঙীয়া গড়ৰ কাৰণে প্ৰসিদ্ধ। তাৰ পাছত তেওঁলোক দেৰগাৱলৈ গ'ল। দেৰগাৱত নেঘেৰিঙি শিৱদ'ল চলে। এম্প শিৱদ'ল ঐা সৰু লিাৰ ওপৰত অবস্থিত। দেৰগাওঁাউনৰ পৰা নেঘেৰিঙিলৈ ৬ কি. মি. মান দূৰ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल हमलोग कन्याकुमारी गए थे। हमने वहाँ समुद्र में स्नान किया। गांधी मंडपम् देखा। फिर एक बड़ी नाव में बैठकर विवेकानन्द शिला पर पहुँचे। वहाँ से समुद्र का दृश्य देखने लायक था। शाम को हम समुद्र तट पर जा बैठे। वहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखा।

V. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. কলাম্পেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ বিষয়ে লিখা।
2. কলাম্পেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ পুৰস্কাৰ বিতৰণৰ বিষয়ে দুআমাৰ লিখা।
3. উমাৰ মাকৰ বিষয়ে যি জানা লিখা।

टिप्पणियाँ

1. **ह** : असमिया वाक्य में किसी शब्द पर बल या जोर देने के लिए ‘-ह’ (-हे) का प्रयोग किया जाता है। जैसे -- **मानुह** **दोबेह** (मानुहे दौरेहे) ‘आदमी दौड़ता है’। हिन्दी (ही) के अर्थ में इसका प्रयोग होता है।
2. **-टैक** (i) विशेषण शब्द के साथ ‘-टैक’ (-कोइ) जोड़कर असमिया में क्रिया विशेषण बनाया जाता है। जैसे- **बब** + **-टैक** = **बबटैक** **लाह** + **-टैक** = **लाहटैक**
 (ii) तुलना के लिए भी {**-टैक**} का प्रयोग होता है। इस स्थिति में अधिकरण का ‘-त’, ‘-अत’ (-त, -अत) जोड़ने के बाद {**-टैक**} जोड़ा जाता है।
 जैसे -- **बिभला** + **-त** + **-टैक** = **बिभलातैक**
 पूबी + **-त** + **-टैक** = **पूबीतैक**
 घब + **-अत** + **-टैक** = **घबतैक**
3. **ए** : युग्म शब्दों में ‘-ए’ (-ए) जोड़कर असमिया में अधिकरण कारक बनाया जाता है। जैसे --
 फूल फूल = **फूले फूले**
 दाँति दाँति = **दाँतिये दाँतिये**
4. **नहय** : असमिया भाषा में इस शब्द का नकारात्मक अर्थ के अतिरिक्त सकारात्मक निश्चयार्थक अर्थ भी होता है। जैसे --
 तुमि थाम्पछा नहय -- तुमने खाया ना।
 तुमि दिछा नहय -- तुमने दिया ना।
5. **चालौ** : **देथिलौ** : दोनों का हिन्दी अर्थ ‘देखना’ होता है। लेकिन दोनों के असमिया अर्थ में अंतर है। जैसे --
 चालौ -- ध्यान से देखना।

देखिलौं -- सामान्य रूप से देखना।

6. बाकाब आहिब बिषये (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में भूत काल का ही विस्तृत प्रयोग दिखाया गया है। मध्यम पुरुष के सामान्य और मान्यार्थ दोनों रूपों का अधिक प्रयोग हुआ है। साथ ही कुछ नकारात्मक वाक्यों के प्रयोग भी दिखाए गए हैं।

